(ii) Public Accounts Committee

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (बलरामपुर) : मैं निम्नलिखित प्रस्ताव करता हं :

" कि इस सभा के सदस्य लोक सभा के प्रक्रिया तथा कार्य संचालन सम्बन्धी नियमों के नियम 309 के उपनियम (1) द्वारा अपेक्षित रीति से, 1 मई, 1970 से आरम्भ होने वाली तथा 30 अप्रैल, 1971 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए लोक लेखा समिति के सदस्यों के रूप में कार्य करने के लिए अपने में से पन्द्रह सदस्य चुनें ।"

MR. SPEAKER The question:

"That the members of this House do proceed to elect in the manner required by sub-rule (1) of Rule 309 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha, fifteen members from among themselves to serve as members of the Committee on Public Accounts for the term begining on the 1st May, 1970 and ending on the 30th April, 1971."

The motion was adopted.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं निम्न-लिखित प्रस्ताव करता हं:

"कि यह सभा राज्य सभा से सिफारिश करती है कि वह 1 मई, 1970 से आरम्भ होने वाली तथा 30 अप्रैल, 1971 को समाप्त होने वाली अविध के लिए इस सभा की लोक लेखा समिति के साथ सहयोजित करने के लिए राज्य सभा के सात सदस्य मनोनीत करने के लिए सहमत हो और राज्य सभा द्वारा इस प्रकार मनोनीति किए गए सदस्यों के नाम इस सभा को बताये।"

MR. SPEAKER: The question is:-

"That this House do recommend to Rajya Sabha that Rajya Sabha do agree to nominate seven members from Rajya Sabha to associate with the Committee on Public Accounts on the 1st May, 1970 and ending on the

30th April, 1971, and do communicate to this House the names of the members so nominated by Rajya Sabha."

The motion was adopted.

श्री प्रकाश वीर शास्त्री (हापुड) : इन समितियों के बारे में एक बात मैं पूछना चाहता हं। ये तीन कमेटियां जो बनाई जा रही हैं ये पालिमेंट की सब से बड़ी कमेटियां हैं। मैं आप से पूछना चाहता हं क्योंकि आप इन सारे कार्यों का संचालन करते हैं कि क्या इन कमेटियों की रिपोर्टे अगले वर्ष से दोनों भाषाओं में आएंगी ? क्या इसके बारे में कोई आश्वासन आज आप हम को देंगे ? डेढ सौ संसद सदस्य की कौन रक्षा करेगा जिन को अंग्रेजी की रिपोर्टों से कोई लाभ नहीं पहंचता ? जब भी हम इस मामले को उठाते हैं आप कहते हैं कि बात करेंगे । लेकिन अभी तक इसके सम्बन्ध में कुछ नहीं हो पाया है। क्या आप चाहते हैं कि डेढ सौ मेंम्बर पालिमेंट के सदन में इस प्रकार का प्रदर्शन करें ताकि आपको कोई निर्णय लेने के लिये बाध्य किया जासके ? इस चीज काकोई हल नहीं निकल पारहाहै।

अध्यक्ष महोदय: मैं बता चुका हूं इसके बारे में।

श्री कंवर लाल गुप्त(दिल्ली सदर) : आप भी अंग्रेजी में बता रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय: मुझ से जो करवाना हो करवालो।

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : उनका कहना है कि आपका विभाग सहयोग नहीं दे रहा है ।

श्री अटल विहारी वाजपेयी: इसके बारे में समस्या यह है कि न तो अनुवाद का प्रवन्ध है और न छापने का प्रवन्ध है।

अध्यक्ष महोदय: फिर किसी मांके पर इसको लिया जा सकता है।

We are doing something in this matter. And we shall take you into confidence.